



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II — खण्ड 3 — उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 530]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 31, 2006/कार्तिक 9, 1928

No. 530]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 31, 2006/KARTIKA 9, 1928

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 2006

सा.का.नि. 680(अ).—केन्द्रीय सरकार, आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 (2005 का 53) की धारा 75 की उपधारा (1) के साथ पठित उसकी उपधारा (2) के खंड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ - (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आपदा प्रबंधन (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान) नियम, 2006 है।

(2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं - (1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,-

(क) “अधिनियम” से आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 (2005 का 53) अभिप्रेत है ;

(ख) “सभापति” से शासी निकाय का सभापति अभिप्रेत है ;

(ग) “कार्यपालक निदेशक” से केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त संस्थान का कार्यपालक निदेशक अभिप्रेत है ;

(घ) “शासी निकाय” से संस्थान का शासी निकाय अभिप्रेत है ;

(ङ) “संस्थान” से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान अभिप्रेत है ;

(च) “अध्यक्ष” से संस्थान का अध्यक्ष अभिप्रेत है ;

(छ) “सचिव” से संस्थान और शासी निकाय का सचिव अभिप्रेत है ;

(ज) “धारा” से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है ;

(झ) “उपसभापति” से शासी निकाय का उप सभापति अभिप्रेत है ;

(ज) “उपाध्यक्ष” से संस्थान का उपाध्यक्ष अभिप्रेत है ;

(2) उन शब्दों और पदों का, जो इनमें प्रयुक्त हैं और इन नियमों में परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो अधिनियम में क्रमशः उनका है ।

3. संस्थान की संरचना—(1) संस्थान में निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात्:—

- (i) केन्द्रीय सरकार के उस मंत्रालय या विभाग का भारसाधक मंत्री जिसका आपदा प्रबंधन पर प्रशासनिक नियंत्रण है और जो पदेन अध्यक्ष होगा ;
- (ii) राष्ट्रीय प्राधिकरण का उपाध्यक्ष जो संस्थान का पदेन का उपाध्यक्ष होगा ;
- (iii) राष्ट्रीय प्राधिकरण का एक सदस्य ;
- (iv) राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति का अध्यक्ष अर्थात् केन्द्रीय सरकार के उस मंत्रालय या विभाग का भारसाधक भारत सरकार का सचिव, जिसका आपदा प्रबंधन पर प्रशासनिक नियंत्रण है, पदेन ;
- (v) केन्द्रीय सरकार के उस मंत्रालय या विभाग का भारसाधक, भारत सरकार का सचिव, जिसका व्यय पर प्रशासनिक नियंत्रण है, पदेन ;
- (vi) केन्द्रीय सरकार के उस मंत्रालय या विभाग का भारसाधक, भारत सरकार का सचिव, जिसका कृषि पर प्रशासनिक नियंत्रण है, पदेन ;
- (vii) केन्द्रीय सरकार के उस मंत्रालय या विभाग का भारसाधक, भारत सरकार का सचिव, जिसका विदेश-कार्य पर प्रशासनिक नियंत्रण है, पदेन ;
- (viii) केन्द्रीय सरकार के उस मंत्रालय या विभाग का भारसाधक, भारत सरकार का सचिव, जिसका स्वास्थ्य पर प्रशासनिक नियंत्रण है, पदेन ;
- (ix) केन्द्रीय सरकार के उस मंत्रालय या विभाग का भारसाधक, भारत सरकार का सचिव, जिसका विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रशासनिक नियंत्रण है, पदेन ;
- (x) केन्द्रीय सरकार के उस मंत्रालय या विभाग का भारसाधक, भारत सरकार का सचिव, जिसका परमाणु ऊर्जा पर प्रशासनिक नियंत्रण है, पदेन ;
- (xi) केन्द्रीय सरकार के उस मंत्रालय या विभाग का भारसाधक, भारत सरकार का सचिव, जिसका अंतरिक्ष पर प्रशासनिक नियंत्रण है, पदेन ;
- (xii) केन्द्रीय सरकार के उस मंत्रालय या विभाग का भारसाधक, भारत सरकार का सचिव, जिसका सामुद्रिक विकास पर प्रशासनिक नियंत्रण है, पदेन ;
- (xiii) केन्द्रीय सरकार के उस मंत्रालय या विभाग में, जिसका आपदा प्रबंधन पर प्रशासनिक नियंत्रण है, आपदा प्रबंधन से संबंधित भारत सरकार का, यथास्थिति, सचिव या विशेष सचिव या अपर सचिव या संयुक्त सचिव, पदेन ;

(xxxiv) चिकित्सा या स्वास्थ्य संस्थाओं से एक प्रमुख ;

(xxv) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान का एक प्रोफेसर ;

(xxvi) संस्थान का कार्यपालक निदेशक, पदेन ।

(2) केन्द्रीय सरकार संस्थान के, पदेन सदस्यों से भिन्न, सदस्यों को ऐसी रीति में, जिसे वह उचित समझे, नामनिर्दिष्ट करेगी ।

(3) राष्ट्रीय प्राधिकरण का उपाध्यक्ष संस्थान के लिए राष्ट्रीय प्राधिकरण के सदस्य को नामनिर्दिष्ट करेगा ।

(4) इस उपनियम में जैसा उपबंधित है उसके सिवाय,-

(क) संस्थान के पदेन सदस्य की पदावधि तबतक चलेगी जबतक वह उस पद को धारण करता है जिसके आधार पर वह ऐसा सदस्य है ; और

(ख) संस्थान के नामनिर्दिष्ट सदस्य की पदावधि उसके नामनिर्देशन की तारीख से दो वर्ष की होगी :

परंतु संस्थान के पदेन सदस्य से भिन्न सदस्य ऐसे सदस्य के पद से केन्द्रीय सरकार को संबोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा त्यागपत्र दे सकेगा किन्तु वह उस सरकार द्वारा उसका त्यागपत्र स्वीकार किए जाने तक पद पर बना रहेगा ।

4. रिक्तियों का भरा जाना - संस्थान के (पदेन सदस्यों से भिन्न) सदस्यों में त्यागपत्र, मृत्यु या अन्य कारण से हुई सभी रिक्तियां ऐसी रिक्तियां होने के पश्चात् यथाशीघ्र नए नामनिर्देशन द्वारा भरी जाएंगी ।

5. संस्थान के अधिवेशन - संस्थान अपना पहला अधिवेशन ऐसे समय पर और ऐसे स्थान पर करेगा जो केन्द्रीय सरकार द्वारा नियत किए जाएं और पहले अधिवेशन में कारबार के संव्यवहार के संबंध में प्रक्रिया के ऐसे नियमों का पालन करेगा जो उस सरकार द्वारा अधिकथित किए जाएं और तत्पश्चात् संस्थान ऐसे समयों पर और ऐसे स्थानों पर अधिवेशन करेगा और अपने अधिवेशनों में कारबार के संव्यवहार के संबंध में प्रक्रिया के ऐसे नियमों का पालन करेगा जो विनियमों द्वारा अवधारित किए जाएं ।

6. संस्थान का शासी निकाय - (1) संस्थान के शासी निकाय में निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात् :-

(i) राष्ट्रीय प्राधिकरण का उपाध्यक्ष जो पदेन अध्यक्ष होगा ;

(ii) केन्द्रीय सरकार के उस मंत्रालय या विभाग का भारसाधक भारत सरकार का सचिव जिसका आपदा प्रबंधन पर प्रशासनिक नियंत्रण है, जो उपाध्यक्ष होगा, पदेन ;

- (iii) केन्द्रीय सरकार के उस मंत्रालय या विभाग में, जिसका आपदा प्रबंधन पर प्रशासनिक नियंत्रण है, आपदा प्रबंधन से संबंधित भारत सरकार का, यथास्थिति, सचिव या विशेष सचिव या अपर सचिव या संयुक्त सचिव, पदेन ;
- (iv) केन्द्रीय सरकार के उस मंत्रालय या विभाग का भारसाधक भारत सरकार का सचिव जिसका व्यय पर प्रशासनिक नियंत्रण है, पदेन ;
- (v) राष्ट्रीय प्राधिकरण का, यथास्थिति, सचिव या अपर सचिव, पदेन ;
- (vi) केन्द्रीय सरकार के उस मंत्रालय या विभाग के, जिसका आपदा प्रबंधन पर प्रशासनिक नियंत्रण है, वित्त से संबंधित भारत सरकार का, यथास्थिति, अपर सचिव और वित्त सलाहकार या संयुक्त सचिव और वित्त सलाहकार, पदेन ;
- (vii) राज्य सरकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले संस्थान के सदस्यों में से एक सदस्य ;
- (viii) विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाला एक सदस्य ;
- (ix) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और भारतीय प्रबंध संस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले संस्थान के दो सदस्य ;
- (x) विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्था का प्रतिनिधित्व करने वाला संस्थान का एक सदस्य ;
- (xi) अंतरिक्ष विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, केन्द्रीय जल आयोग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् का प्रतिनिधित्व करने वाले संस्थान के सदस्यों में से दो सदस्य ; और
- (xii) संस्थान का कार्यपालक निदेशक, पदेन ।

(2) शासी निकाय संस्थान की कार्यकारिणी समिति होगी और ऐसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे कृत्यों का पालन करेगी जो संस्थान, इस निमित्त बनाए गए विनियमों द्वारा, उसे प्रदत्त या अधिरोपित करे ।

(3) शासी निकाय द्वारा अपनी शक्तियों के प्रयोग में और अपने कृत्यों के पालन में अनुसरित की जाने वाली प्रक्रिया और शासी निकाय के सदस्यों की पदावधि तथा उनमें शक्तियों को भरने की शक्ति वह होगी जो विनियमों द्वारा तय की जाए ।

7. संस्थान का कार्यपालक निदेशक - (1) संस्थान का एक कार्यपालक निदेशक होगा जो केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा ।

(2) संस्थान का कार्यपालक निदेशक संस्थान के सचिव के रूप में तथा संस्थान के शासी निकाय के रूप में कार्य करेगा ।

8. कार्यपालक निदेशक की शक्तियां और उसके कृत्य - संस्थान का कार्यपालक निदेशक ऐसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे कृत्यों का पालन करेगा जो विनियमों द्वारा तय किए जाएं ।

[फा. सं. 30/8/2006-एनडीएम-III (ए)]

प्रभाशु कमल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS**NOTIFICATION**

New Delhi, the 30th October, 2006

G.S.R. 680(E).—In exercise of the powers conferred by clause (e) of sub-section (2) read with sub-section (1) of section 75 of the Disaster Management Act, 2005 (53 of 2005), the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

1. Short title and commencement.- (1) These rules may be called the Disaster Management (National Institute of Disaster Management) Rules, 2006.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.- (1) In these rules, unless the context otherwise requires, -

- (a) "Act" means the Disaster Management Act, 2005 (53 of 2005);
- (b) "chairperson" means the chairperson of the governing body;
- (c) "executive director" means the executive director of the institute appointed by the Central Government;
- (d) "governing body" means the governing body of the institute;
- (e) "institute" means the National Institute of Disaster Management;
- (f) "president" means the president of the institute;
- (g) "secretary" means the secretary of the institute and the governing body;
- (h) "section" means a section of the Act;
- (i) "vice-chairperson" means the vice-chairperson of the governing body of the institute;
- (j) "vice-president" means the vice-president of the institute;

(2) Words and expressions used herein and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Composition of the institute.- (1) The institute shall consist of the following members, namely: -

- (i) the Minister in charge of the Ministry or Department of the Central Government having administrative control of disaster management, who shall be the President, *ex officio*;
- (ii) the Vice-Chairperson of the National Authority who shall be the vice-president, *ex officio*;
- (iii) one member of the National Authority;

- (iv) Chairperson of the National Executive Committee, that is, the Secretary to the Government of India in charge of the Ministry or Department of the Central Government having administrative control of disaster management, *ex officio*;
- (v) the Secretary to the Government of India in charge of the Ministry or Department of the Central Government having administrative control of expenditure, *ex officio*;
- (vi) the Secretary to the Government of India in charge of the Ministry or Department of the Central Government having administrative control of agriculture, *ex officio*;
- (vii) the Secretary to the Government of India in charge of the Ministry or Department of the Central Government having administrative control of External Affairs, *ex officio*;
- (viii) the Secretary to the Government of India in charge of the Ministry or Department of the Central Government having administrative control of health, *ex officio*;
- (ix) the Secretary to the Government of India in charge of the Ministry or Department of the Central Government having administrative control of science and technology, *ex officio*;
- (x) the Secretary to the Government of India in charge of the Ministry or Department of the Central Government having administrative control of atomic energy, *ex officio*;
- (xi) the Secretary to the Government of India in charge of the Ministry or Department of the Central Government having administrative control of space, *ex officio*;
- (xii) the Secretary to the Government of India in charge of the Ministry or Department of the Central Government having administrative control of ocean development, *ex officio*;
- (xiii) the Secretary or Special Secretary or Additional Secretary or Joint Secretary, as the case may be, to the Government of India dealing with disaster management in the Ministry or Department of the Central Government having administrative control of disaster management, *ex officio*;
- (xiv) the Additional Secretary and Financial Advisor or Joint Secretary and Financial Advisor, as the case may be, to the Government of India dealing with finance of the Ministry or Department of the Central Government having administrative control of disaster management, *ex officio*;
- (xv) The Secretary or Additional Secretary, as the case may be, of the National Disaster Management Authority, *ex officio*;
- (xvi) the Director-General of the National Disaster Response Force, *ex officio*;
- (xvii) the Deputy Chief of Integrated Defence Staff, Doctrine Organisation & Training (DOT), Head Quarters Integrated Defence Staff, Ministry of Defence *ex officio*;
- (xviii) two Secretaries of State Governments in charge of disaster management;
- (xix) one vice-chancellor from the universities;
- (xx) the Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussorie;

- (xxi) the Director, Sardar Vallabhai Bhai Patel National Police Academy, Hyderabad;
- (xxii) the Director General, India Meteorological Department, *ex officio*;
- (xxiii) two Directors, one each, from any Indian Institute of Management and any Indian Institute of Technology;
- (xxiv) the Chairman of the Central Water Commission, *ex officio*;
- (xxv) the Director of Indian Institute of Public Administration, *ex officio*;
- (xxvi) the Director General of Indian Council of Agriculture Research, *ex officio*;
- (xxvii) one Director General from the Administrative Training Institutes or State Institutes of Rural Development;
- (xxviii) the Director General of Indian Council of Medical Research, *ex officio*;
- (xxix) two eminent persons in the field of disaster management, public administration, information technology, medicine etc. ;
- (xxx) two experts, one each from banking and insurance sector;
- (xxxi) two presidents or heads, by whatever name called, from the industry associations or federations of all-India-level which in the opinion of the Central Government are capable of representing the industry, trade or commerce;
- (xxxii) two presidents or heads, by whatever name called, from non-governmental organisations which in the opinion of the Central Government are active and effective in the disaster management activities, or are capable of representing such activities;
- (xxxiii) one head from science and technology institutions;
- (xxxiv) one head from medical or health institutions;
- (xxxv) one professor of the National Institute of Disaster Management;
- (xxxvi) the Executive Director of the Institute, *ex officio*.

(2) The Central Government shall nominate the members of the institute, other than the *ex officio* members in such manner as it may consider appropriate.

(3) The Vice-Chairperson of the National Authority shall nominate the member of the National Authority for the institute.

(4) Save as otherwise provided in this sub-rule, the term of office of -

- (a) an *ex officio* member of the institute shall continue so long as he holds the office by virtue of which he is such a member; and
- (b) a nominated member of the institute shall be two years from the date of his nomination:

Provided that a member other than an *ex officio* member of the institute may resign from the office of such member, by writing under his hand addressed to the Central Government, but he shall continue in office until his resignation is accepted by that Government.

4. **Filling up of vacancies.**—All vacancies by reason of resignation, death or otherwise among members (other than *ex officio* members) of the Institute shall be filled as soon as may be after the occurrence of the vacancy by a fresh nomination.

5. **Meetings of the institute.**—The institute shall hold its first meeting at such time and place as may be appointed by the Central Government and observe such rules of procedure in regard to the transaction of business at the first meeting as may be laid down by that Government and thereafter the institute shall meet at such times and places and observe such rules of procedure in regard to the transaction of business at its meetings as may be determined by regulations.

6. **Governing body of the institute.**—(1) The Governing body of the institute shall consist of the following members, namely:—

- (i) The Vice-Chairperson of the National Authority who shall be the chairperson, *ex officio*;
- (ii) the Secretary to the Government of India in charge of the Ministry or Department of the Central Government having administrative control of disaster management, who shall be the vice-chairperson, *ex officio*;
- (iii) the Secretary or Special Secretary or Additional Secretary or Joint Secretary, as the case may be, to the Government of India dealing with disaster management in the Ministry or Department of the Central Government having administrative control of disaster management, *ex officio*;
- (iv) the Secretary to the Government of India in charge of the Ministry or Department of the Central Government having administrative control of expenditure, *ex officio*;
- (v) the Secretary or Additional Secretary, as the case may be, of the National Authority, *ex officio*;

- (vi) the Additional Secretary and Financial Advisor or Joint Secretary and Financial Advisor, as the case may be, to the Government of India dealing with finance of the Ministry or Department of the Central Government having administrative control of disaster management, *ex officio*;
 - (vii) one member from amongst the members of the institute representing the State Governments;
 - (viii) one member of the institute representing the university;
 - (ix) two members of the institute representing the Indian Institute of Technology and the Indian Institute of Management;
 - (x) one member of the institute representing a science and technology institution;
 - (xi) two members from amongst the members of the institute representing the Department of Space, the Department of Atomic Energy, the Department of Science and Technology, the Central Water Commission and the Indian Council of Agriculture Research; and
 - (xii) the executive director of the institute, *ex officio*.
- (2) The governing body shall be the executive committee of the institute and shall exercise such powers and perform such functions as the institute may, by regulations made in this behalf, confer or impose upon it.
- (3) The procedure to be followed in the exercise of its powers and performance of its functions by the governing body, and the term of office of, and the manner of filling up vacancies, among the members of the governing body, shall be such as may be made by regulations.

7. **Executive Director of the institute.**- (1) There shall be an Executive Director of the institute who shall be appointed by the Central Government.

(2) The Executive Director of the institute shall act as the Secretary to the institute as well as the governing body of the institute.

8. **Powers and functions of the Executive Director .-** The Executive Director of the institute shall exercise such powers and perform such functions as may be made by regulations.

[F. No. 30/8/2006-NDM-III(A)]
PRABHANSHU KAMAL, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 2006

सा.का.नि. 681(अ).—केन्द्रीय सरकार, आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 (2005 का 53) की धारा 76 के साथ पठित उसकी धारा 42 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ - (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान विनियम, 2006 है ।

(2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएं - (1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,-

(क) “अधिनियम” से आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 (2005 का 53) अभिप्रेत है ;

(ख) “सभापति” से शासी निकाय का सभापति अभिप्रेत है ;

(ग) “कार्यपालक निदेशक” से केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त संस्थान का कार्यपालक निदेशक अभिप्रेत है ;

(घ) “शासी निकाय” से संस्थान का शासी निकाय अभिप्रेत है ;

(ङ) “संस्थान” से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान अभिप्रेत है ;

(च) “अध्यक्ष” से संस्थान का अध्यक्ष अभिप्रेत है ;

(छ) “सचिव” से, यथास्थिति, संस्थान या शासी निकाय का सचिव अभिप्रेत है ;

3. संस्थान और शासी निकाय की संरचना - संस्थान और शासी निकाय में ऐसे सदस्य होंगे जो आपदा प्रबंधन (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान) नियम, 2006 के क्रमशः नियम 3 के उपनियम (1) और नियम 6 के उपनियम (1) में उपबंधित हैं ।

4. संस्थान के अधिवेशन - (1) अध्यक्ष या उसकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष संस्थान के अधिवेशनों की अध्यक्षता करेगा ।

(2) संस्थान ऐसे समयों और स्थानों पर अधिवेशन करेगा जो संस्थान के कारबार के संव्यवहार के लिए अध्यक्ष द्वारा आवश्यक समझे जाएं ;

परंतु संस्थान प्रत्येक वर्ष में कम से कम एक बार अधिवेशन करेगा ।

(3)(क) सचिव संस्थान के सामान्य अधिवेशन के स्थान, तारीख और समय को विनिर्दिष्ट करते हुए सूचना ऐसे अधिवेशन की तारीख से कम से कम इक्कीस दिन पूर्व देगा।

(ख) अधिवेशन की सूचना के साथ उसकी कार्यसूची भी भेजी जाएगी और जहां संभव न हो, कार्य सूची अधिवेशन से कम से कम सात दिन पूर्व भेजी जाएगी।

(4) अध्यक्ष संस्थान के अत्यावश्यक कारबार के संव्यवहार के लिए किसी समय संस्थान का असाधारण अधिवेशन बुला सकेगा।

(5) सचिव असाधारण अधिवेशन के लिए अधिवेशन की तारीख से कम से कम सात दिन पहले कार्यसूची के साथ अधिवेशन के स्थान, तारीख और समय को विनिर्दिष्ट करते हुए सभी सदस्यों को सूचना देगा।

(6)(क) संस्थान, संस्थान के कम से कम बारह सदस्यों के लिखित अनुरोध के तीस दिन के भीतर असाधारण अधिवेशन बुलाएगा।

(ख) संस्थान के सदस्य खंड (क) में निर्दिष्ट अधिवेशन के लिए अनुरोध के प्रयोजन को उपदर्शित करेंगे।

(7) संस्थान के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति दस होगी।

(8) अध्यक्ष संस्थान के अधिवेशन से पूर्व किसी समय या उसके दौरान कार्यसूची में -

(i) कारबार की कोई नई मद या मदें ; या

(ii) कार्यसूची में सम्मिलित मदों के अतिरिक्त कोई पूरक मद,

सम्मिलित कर सकेगा और ऐसी मद पर विचार किया जाएगा।

(9) संस्थान के किसी सदस्य पर सूचना की तामील या तो व्यक्तिगत रूप से, ई-मेल, फ़ैक्स, टेलीग्राम द्वारा की जा सकेगी या ऐसे सदस्य को संबोधित लिफाफे में डाक में भेजने के प्रमाणपत्र के अधीन डाक द्वारा की जा सकेगी और ऐसी सूचना के बारे में यह माना जाएगा कि वह उचित रूप से परिदत्त कर दी गई है।

(10) किसी अधिवेशन में संस्थान द्वारा निपटाया गया कोई विषय पुनः विचार के लिए ऐसे मामले के सिवाय एक वर्ष की समाप्ति से पूर्व नहीं लाया जाएगा जहां अध्यक्ष या केन्द्रीय सरकार यह प्रमाणित कर देती है कि उक्त विषय पर संस्थान के हित में और विचार किए जाने की आवश्यकता है।

(11) संस्थान के किसी सदस्य द्वारा उठाए गए व्यवस्था के किसी प्रश्न पर अधिवेशन के अध्यक्ष द्वारा दिया गया विनिश्चय अंतिम होगा ।

(12) संस्थान के अधिवेशन के समक्ष लाए गए सभी विषयों का विनिश्चय संस्थान के उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के बहुमत द्वारा किया जाएगा और बराबर मतों की दशा में अध्यक्ष या पीठासीन व्यक्ति का उस मत के अतिरिक्त निश्चायक मत होगा जिसका वह संस्थान के सदस्य के रूप में हकदार हो ।

5. कागज-पत्रों के परिचालन द्वारा कारबार का संव्यवहार - (1) संस्थान के किसी कारबार का, जो संव्यवहार करने के लिए संस्थान के लिए आवश्यक हो, यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, संस्थान के सभी सदस्यों को उनके सामान्य पते पर अपेक्षित विनिश्चय को सम्मिलित करते हुए एक प्रारूप संकल्प के साथ कार्यसूची के कागजों के परिचालन द्वारा संव्यवहार किया जा सकेगा और इस प्रकार प्रचालित और सदस्यों के बहुमत द्वारा हस्ताक्षर करके अनुमोदित प्रारूप संकल्प ऐसे प्रभावी और आबद्धकारी होगा मानो वह संकल्प संस्थान के अधिवेशन में पारित किया गया हो परंतु संस्थान के कम से कम बारह सदस्यों ने संकल्प पर अपने विचार अभिलिखित किए हों ।

(2) कोई सदस्य ऐसे कारबार की सूचना के जारी किए जाने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर उत्तर देगा और यदि संस्थान के सदस्य से उक्त अवधि के भीतर कोई उत्तर प्राप्त नहीं होता है तो उसके बारे में यह समझा जाएगा कि उसने प्रारूप संकल्प का समर्थन किया है ।

(3) यदि प्रारूप संकल्प परिचालित किया जाता है तो परिचालन का परिणाम संस्थान के सभी सदस्यों को संसूचित किया जाएगा और संकल्प संस्थान के अगले अधिवेशन में पुष्टि के लिए रखा जाएगा ।

6. कारबार का अभिलेखन - (1) संस्थान द्वारा संव्यवहार किए गए सभी कारबार का अभिलेख रखा जाएगा ।

(2) संस्थान के सभी विनिश्चय, यथासंभव, संकल्पों के रूप में लेखबद्ध किए जाएंगे और संस्थान की कार्यवाही पुस्तक में ऐसे विनिश्चय की प्रविष्टि इस तथ्य का निश्चायक सबूत होगी कि संस्थान द्वारा ऐसे विनिश्चय लिए गए थे ।

(3) संस्थान के प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियां उसके सदस्यों में अधिवेशन के तीस दिन के भीतर परिचालित की जाएंगी और यदि अनुबंधित समय के भीतर कोई टिप्पणियां प्राप्त होती हैं तो वे अध्यक्ष के अनुमोदन के अधीन रहते हुए उपयुक्त रूप से सम्मिलित की जाएंगी और अंतिम कार्यवाहियों के रूप में पुनः जारी की जाएंगी ।

7. शासी निकाय या कार्यपालक निदेशक को कृत्यों का प्रत्यायोजन - संस्थान, साधारण या विशेष लिखित आदेश द्वारा, शासी निकाय या कार्यपालक निदेशक को, ऐसी शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए, यदि कोई हों, जो आदेश में विनिर्दिष्ट की जाएं, अपने ऐसे कृत्यों को प्रत्यायोजित कर सकेगा जो वह धारा 42 की उपधारा (9) के अधीन विनिर्दिष्ट उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए निर्णायक या आनुषंगिक समझे।

8. पदावधि - (1) शासी निकाय के सदस्य की पदावधि उसके संस्थान के सदस्य बने रहने तक जारी रहेगी।

(2) आपदा प्रबंधन (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान) नियम, 2006 के नियम 6 के उपनियम (1) के खंड (vii), (viii), (ix) या (x) के अधीन शासी निकाय के नामनिर्दिष्ट सदस्य की पदावधि, जैसे ही वह संस्थान का सदस्य नहीं रहता, समाप्त हो जाएगी या केन्द्रीय सरकार द्वारा उसको प्रतिस्थापित किए जाने तक, इनमें से जो भी पूर्वतर हो, बनी रहेगी।

9. शासी निकाय की शक्तियां और कृत्य - (1) शासी निकाय संस्थान के विनिश्चयों को कार्यान्वित करने के लिए उत्तरदायी होगा।

(2) विशिष्टतया और पूर्वगामी कृत्यों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, शासी निकाय निम्नलिखित किसी या किन्हीं कृत्यों का पालन कर सकेगा, अर्थात् :-

(क) राष्ट्रीय प्राधिकरण द्वारा संस्थान के लिए अधिकथित विस्तृत नीतियों और मार्गदर्शक सिद्धांतों का पालन सुनिश्चित करना ;

(ख) ऐसे प्रस्तावों पर विचार करना और सिफारिश करना जो संस्थान को उसके अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करना अपेक्षित हैं ;

(ग) ऐसे कार्यक्रमों और क्रियाकलापों पर विचार करना और उनका अनुमोदन करना जो संस्थान द्वारा उनका अनुमोदन किए जाने तक अंतरिम रूप में लिए जाएं।

(घ) संस्थान के अनुमोदित वार्षिक क्रियाकलापों में ऐसे परिवर्तनों पर, जो आवश्यक समझे जाएं, संस्थान द्वारा ऐसे परिवर्तनों का भूतलक्षी प्रभाव से अनुमोदन किए जाने के अधीन रहते हुए विचार करना और उनका अनुमोदन करना ;

(ङ) ऐसे नये क्रियाकलापों पर, जो संस्थान के अनुमोदित वार्षिक क्रियाकलापों में सम्मिलित नहीं हैं, जिनपर विचार किया जाना अपेक्षित है, संस्थान द्वारा भूतलक्षी प्रभाव से अनुमोदन किए जाने के अधीन रहते हुए विचार करना और उनका अनुमोदन करना ;

(च) ऐसी समितियां और उपसमितियां नियुक्त करना जो उसके कृत्यों के निर्वहन के लिए उपयुक्त समझी जाएं ;

(छ) ऐसे सभी कार्य करना और ऐसी सभी बातें करना जो संस्थान की संपत्तियों के उचित प्रबंध के लिए आवश्यक हों ; और

(ज) ऐसे सभी कृत्य करना जो संस्थान द्वारा प्रत्यायोजित किए जाएं ।

10. शासी निकाय के अधिवेशन का समय और स्थान - शासी निकाय अपने अधिवेशन ऐसे स्थान और समयों पर करेगा जो शासी निकाय का सभापति समय-समय पर अवधारित करे :

परंतु शासी निकाय का सभापति अधिवेशन का आयोजन करेगा यदि उस प्रयोजन के लिए अध्यक्षता उसे शासी निकाय के कम से कम चार सदस्यों द्वारा लिखित रूप में प्रस्तुत की जाती है जिसमें अधिवेशन में चर्चा की प्रस्तावित विषय-वस्तु विनिर्दिष्ट की जाएगी :

परंतु यह और कि शासी निकाय तीन मास में कम से कम एक बार अधिवेशन करेगा ।

11. शासी निकाय के अधिवेशन के लिए सूचना - (1) शासी निकाय के प्रत्येक अधिवेशन के लिए कम से कम चौदह दिन की सूचना शासी निकाय के प्रत्येक सदस्य को दी जाएगी ।

(2) सूचना शासी निकाय के किसी सदस्य पर या तो व्यक्तिगत रूप से, ई-मेल, फ़ैक्स, टेलीग्राम द्वारा तामील की जा सकेगी या ऐसे सदस्य को संबोधित लिफाफे में डाक से भेजने के प्रमाण पत्र के अधीन डाक द्वारा तामील की जा सकेगी और ऐसी सूचना उचित रूप से तामील की गई मानी जाएगी ।

(3) उपविनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी शासी निकाय के कोई अधिवेशन जिसमें ऐसा कोई विषय विचार के लिए लिया गया है, जिसे सभापति द्वारा अत्यावश्यक समझा गया है, उससे कम समय की सूचना द्वारा आहूत किया जा सकेगा ।

12. गणपूर्ति - (1) शासी निकाय के अधिवेशन में किसी भी कारबार का तब तक संब्यवहार नहीं किया जाएगा जब तक कि शासी निकाय के कम से कम पांच सदस्य उपस्थित न हों ।

(2) यदि शासी निकाय के अधिवेशन के प्रारंभ होने के लिए नियत समय से आधा घंटे में गणपूर्ति उपस्थित नहीं हैं तो अधिवेशन किसी अन्य दिन के लिए स्थगित हो जाएगा और इस प्रकार स्थगित अधिवेशन की सूचना शासी निकाय के प्रत्येक सदस्य को ई-मेल, फ़ैक्स, टेलीग्राम, डाक या विशेष संवाहक द्वारा, जैसा भी अपेक्षित हो, दी जाएगी :

परंतु इस प्रकार स्थगित किया गया अधिवेशन उस तारीख से इक्कीस दिन के भीतर किया जाएगा जिसका आरंभ में किए जाने का प्रस्ताव था ।

(3) यदि ऐसे किसी स्थगित अधिवेशन में भी अधिवेशन होने के लिए नियत समय से आधे घंटे के भीतर गणपूर्ति उपस्थित नहीं हैं तो अधिवेशन में उपस्थित शासी निकाय के सदस्य गणपूर्ति करेंगे ।

13. शासी निकाय के अधिवेशनों की अध्यक्षता - (1) शासी निकाय का सभापति शासी निकाय के प्रत्येक अधिवेशन की अध्यक्षता करेगा ।

(2) यदि शासी निकाय का सभापति किसी विशिष्ट अधिवेशन में उपस्थित नहीं है तो उपसभापति शासी निकाय के अधिवेशन की अध्यक्षता करेगा ।

(3) यदि शासी निकाय के सभापति और उपसभापति किसी विशिष्ट अधिवेशन में उपस्थित नहीं हैं तो शासी निकाय के उपस्थित सदस्य अपने में से एक सदस्य को उस अधिवेशन की अध्यक्षता करने के लिए चुनेंगे ।

14. कागज-पत्रों के प्रचालन द्वारा कारबार का संव्यवहार - (1) ऐसे किसी कारबार के लिए जिसका संव्यवहार किया जाना शासी निकाय के लिए आवश्यक हो, यदि सभापति, या उसकी अनुपस्थिति में उपसभापति ऐसा निदेश दे, शासी निकाय के सभी सदस्यों को उनके सामान्य पते पर कागज-पत्रों के परिचालन द्वारा संव्यवहार किया जा सकेगा और इस प्रकार प्रचालित संकल्प ऐसे प्रभावी और आबद्धकारी होगा मानो वह संकल्प शासी निकाय के अधिवेशन में पारित किया गया हो परंतु शासी निकाय के कम से कम पांच सदस्यों ने संकल्प का अनुमोदन अभिलिखित किया हो ।

(2) यदि संकल्प परिचालित किया जाता है तो परिचालन का परिणाम शासी निकाय के सभी सदस्यों को संसूचित किया जाएगा और संकल्प शासी निकाय के अगले अधिवेशन में पुष्टि के लिए रखा जाएगा ।

15. मतदान - शासी निकाय के अधिवेशन के समक्ष लाए गए सभी विषयों का विनिश्चय शासी निकाय के उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के बहुमत द्वारा किया जाएगा और बराबर मतों की दशा में शासी निकाय के सभापति या पीठासीन व्यक्ति का उस मत के अतिरिक्त निश्चायक मत होगा जिसका वह शासी निकाय के सदस्य के रूप में हकदार हो ।

16. कारबार का अभिलेखन - (1) शासी निकाय द्वारा संव्यवहार किए गए सभी कारबार का अभिलेख रखा जाएगा ।

(2) शासी निकाय के सभी विनिश्चय, यथासंभव, संकल्पों के रूप में लेखबद्ध किए जाएंगे और

शासी निकाय की कार्यवाही पुस्तक में ऐसे विनिश्चय की प्रविष्टि इस तथ्य का निश्चायक सबूत होगी कि शासी निकाय द्वारा ऐसे विनिश्चय लिए गए थे ।

(3) शासी निकाय के प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियां उसके सदस्यों में अधिवेशन के इक्कीस दिन के भीतर परिचालित की जाएंगी ।

17. संस्थान और शासी निकाय के सदस्यों को भत्ते - संस्थान और शासी निकाय के सदस्यों को यात्रा भत्तों, दैनिक भत्तों, प्रवहण भत्तों और मकान किराए का संदाय किया जाएगा जो पूरक नियमों के अधीन अनुज्ञेय है ।

18. कार्यपालक निदेशक की शक्तियां और कृत्य - (1) कार्यपालक निदेशक संस्थान, उसके शासी निकाय के विनिश्चयों और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की विस्तृत नीतियों और मार्गदर्शक सिद्धांतों के क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी होगा तथा ऐसे अन्य कृत्य करेगा जो केन्द्रीय सरकार द्वारा उसे सौंपे जाएं ।

(2) कार्यपालक निदेशक संस्थान के प्रशासन का भारसाधक होगा और संस्थान को उपलब्ध कराए गए अधिकारियों और कर्मचारियों के कर्तव्य आबंटित करेगा तथा यथा आवश्यक पर्यवेक्षण और कार्यकारी नियंत्रण का प्रयोग करेगा ।

(3) कार्यपालक निदेशक मूल नियमों, पूरक नियमों, वित्तीय शक्ति का प्रत्यायोजन के नियमों में यथाविनिर्दिष्ट विभागाध्यक्ष की शक्तियों का प्रयोग करेगा ।

(4) कार्यपालक निदेशक -

(क) संस्थान के सहबद्ध प्रोफेसर से अनिम्न पंक्ति के और समतुल्य पद पर के अधिकारियों और कर्मचारियों की बाबत अनुशासन प्राधिकारी के कृत्यों का निर्वहन करेगा ;

(ख) प्रशिक्षण और कार्यशाला का स्थान विनिश्चित करेगा और ऐसे मार्गदर्शक सिद्धांतों के अधीन रहते हुए जो संस्थान या उसके शासी निकाय द्वारा अधिकथित किए जाएं, विभिन्न कार्यक्रमों के लिए कुशल व्यक्तियों को आमंत्रित करेगा ;

(ग) ऐसे मार्गदर्शक सिद्धांतों के अधीन रहते हुए जो संस्थान या उसके शासी निकाय द्वारा अधिकथित किए जाएं, विनिर्दिष्ट कार्यों के अनुपालन के लिए परामर्शी रखेगा ;

(घ) संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और अन्य क्रियाकलापों में अल्पकालीन परिवर्तन करेगा जो स्थिति की अत्यावश्यकता के मद्देनजर आवश्यक हों ;

(ङ) दस्तावेजों, रिपोर्टों आदि के प्रकाशन का अनुमोदन करेगा ;

(च) लेखबद्ध किए गए कारणों से गैरहकदार अधिकारियों को वायुयान से यात्रा अनुज्ञात करेगा ;

(छ) संस्थान से संबंधित किया विषय पर केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकारों से पत्राचार करेगा ;

(ज) ऐसे अन्य कृत्यों का निर्वहन करेगा जो संस्थान या उसके शासी निकाय द्वारा उसे प्रत्यायोजित किए जाएं ।

[फा. सं. 30/8/2006-एनडीएम-III (ए)]

प्रभाशु कमल, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th October, 2006

G.S.R. 681(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 42 read with section 76 of the Disaster Management Act, 2005 (53 of 2005), the Central Government hereby makes the following regulations, namely:-

1. Short title and commencement.- (1) These regulations may be called the National Institute of Disaster Management Regulations, 2006.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.- In these regulations, unless the context otherwise requires,-

(a) “Act” means the Disaster Management Act, 2005 (53 of 2005);

(b) “chairperson” means the chairperson of the governing body;

(c) “Executive Director” means the Executive Director of the institute appointed by the Central Government;

(d) “governing body” means the governing body of the institute;

(e) “institute” means the National Institute of Disaster Management;

(f) “President” means the President of the institute;

(g) “Secretary” means the Secretary of the institute, or as the case may be, the governing body.

3. Composition of the institute and the governing body.- The institute and the governing body shall consist of such members as are provided under sub-rule (1) of rule

3466 GI/06-5

(3) and sub-rule (1) of rule 6 respectively of the Disaster Management (National Institute of Disaster Management) Rules, 2006.

4. Meetings of the institute.- (1) The President, or in his absence, the Vice-President, shall preside over the meetings of the institute.

(2) The institute shall meet at such times and places as may be considered necessary by the President for the transaction of the business of the institute:

Provided that the institute shall meet at least once in every year.

(3) (a) The Secretary shall give a notice specifying the place, date and time of an ordinary meeting of the institute at least twenty-one days prior to the date of such meeting.

(b) The agenda shall also be sent along with the notice of the meeting and where it is not possible, the agenda shall be sent at least seven days before the meeting.

(4) The President may call an extraordinary meeting of the institute at any time for the transaction of urgent business of the institute.

(5) The Secretary shall give a notice to all the members specifying the place, date and time of the meeting for an extraordinary meeting at least seven days before the date of the meeting along with the agenda.

(6) (a) The institute shall call an extraordinary meeting within thirty days of a written request of not less than twelve members of the institute.

(b) The members of the institute shall indicate the purpose of the request for the meeting referred to in clause (a).

(7) The quorum for a meeting of the Institute shall be ten.

(8) The President may include in the agenda at any time before or during a meeting of the Institute -

- (i) any fresh item or items of business; or
 - (ii) any item supplementary to those included in the agenda,
- and such item shall be taken up for consideration.

(9) A notice may be served upon any member of the Institute either personally, by email, fax, telegram or by post by under certificate of posting in an envelope addressed to such member and such notice shall be presumed to have been properly delivered.

(10) No subject disposed of by the institute at a meeting shall be brought up again for consideration until after the expiry of one year except in a case where the President or the Central Government certifies that the subject requires further consideration in the interest of the institute.

(11) A decision given by the President of the meeting on a point of order raised by a member of the institute shall be final.

(12) All matters submitted to a meeting of the institute shall be decided by a majority of the members of the institute present and voting thereat, and in case of an equality of votes, the President or the person presiding shall have a casting vote, in addition to the vote to which he may be entitled as a member of the institute.

5. Transaction of business by circulation of papers.- (1) Any business of the institute which may be necessary for the institute to transact may, if the President so directs, be dealt with by circulation of agenda papers alongwith a draft resolution incorporating the decision required among all the members of the institute at their usual address and any draft resolution so circulated and approved by the majority of the members of the institute

signing shall be as effectual and binding as if the resolution had been passed at a meeting of the institute provided that at least twelve members of the institute have recorded their views on the resolution.

(2) A member shall give reply within twenty-one days from the date of issue of the notice of such business and if no reply is received from a member of the institute within the said period, he shall be deemed to have supported the draft resolution.

(3) If a draft resolution is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all members of the institute and the resolution shall also be placed before the next meeting of the institute for confirmation.

6. Recording of business.—(1) A record shall be maintained of all business transacted by the institute.

(2) All decisions of the institute shall, as far as possible, be recorded in the form of resolutions and an entry of such decision in the book of proceedings of the institute shall be conclusive evidence of the fact that such decisions were taken by the institute.

(3) The proceedings of every meeting of the institute shall be circulated among its members within thirty days of the meeting and if any comments are received within a stipulated time they shall be incorporated suitably subject to the approval of the President and re-issued as final proceedings.

7. Delegation of functions to governing body or Executive Director.—The institute may, by general or special order in writing, delegate to the governing body or the Executive Director, subject to such conditions and limitations, if any, as may be specified.

in the order, such of its functions which it considers conducive or incidental to the attainment of the objects specified under sub-section (9) of section 42.

8. Term of office.-(1) The term of office of a member of the governing body shall continue as long as he is a member of the institute.

(2) The term of office of a nominated member of the governing body under clauses (vii), (viii), (ix) or (x) of sub-rule (1) of rule 6 of the Disaster Management (National Institute of Disaster Management) Rules, 2006 shall cease as soon as he ceases to be member of the institute or till he is replaced by the Central Government, whichever is earlier.

9. Powers and functions of the governing body.-(1) The governing body shall be responsible for carrying out the decisions of the institute.

(2) In particular and without prejudice to the generality of the foregoing functions, the governing body may perform all or any of the following functions, namely:-

- (a) ensure compliance of broad policies and guidelines laid down for the institute by the National Authority;
- (b) consider and recommend such proposals as are required to be submitted to the institute for its approval;
- (c) consider and approve such programmes and activities as may be taken up as interim till these are approved by the institute;
- (d) consider and approve such changes in the approved annual activities of the institute as may be considered necessary, subject to ex-post-facto approval of such changes by the institute;

3466 GI/06-6

- (e) consider and approve such new activities not included in the approved annual activities of the institute as may be required to be taken up, subject to ex-post-facto approval by the institute;
- (f) appoint such Committees and Sub-Committees as considered appropriate for the discharge of its functions.
- (g) perform all such acts and do all such things as may be necessary for the proper management of the properties of the institute; and
- (h) perform all such functions as may be delegated by the institute.

10. Time and place of meeting of the governing body.- The governing body shall hold its meetings at such place and times as the Chairperson of the governing body may, from time to time, determine:

Provided that the Chairperson of the governing body shall convene a meeting if a requisition for that purpose is presented to him in writing by not less than four members of the governing body specifying the subject-matter proposed to be discussed in the meeting:

Provided further that the governing body shall meet at least once in three months.

11. Notice for meeting of governing body.- (1) Not less than fourteen days notice for every meeting of the governing body shall be given to each member of the governing body.

(2) A notice may be served upon any member of the governing body either personally, by email, fax, telegram or by post by under certificate of posting in an envelope addressed to such member and such notice shall be presumed to have been properly delivered.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), a meeting of the governing body at which any matter which is considered urgent by the Chairperson has to be taken up, may be called at a shorter notice.

12. Quorum.- (1) No business shall be transacted at a meeting of the governing body unless at least five members of the governing body are present.

(2) If within half an hour of the time appointed for holding the meeting of the governing body, quorum is not present, the meeting shall stand adjourned to another day and notice of such adjourned meeting shall be given to each member of the governing body by e-mail, fax, telegram, post or special messenger, as the case may require:

Provided that a meeting so adjourned shall be held within twenty-one days of the date on which it was originally proposed to be held.

(3) If at any such adjourned meeting also, the quorum is not present within half an hour from the time appointed for holding the meeting, the members of the governing body present at the meeting shall form the quorum.

13. Presiding over the meetings of governing body.—(1) The Chairperson of the governing body shall preside over every meeting of the governing body.

(2) If the chairperson of the governing body is not present at any particular meeting, the vice-chairperson shall preside over the meeting of the governing body.

(3) If the Chairperson and the Vice-chairperson of the governing body are not present at any particular meeting, the members of the governing body present shall choose one from among themselves to chair that meeting.

14. Transaction of business by circulation of papers.- (1) Any business which may be necessary for the governing body to transact, may, if the Chairperson or in his absence, the Vice-chairperson so directs, be dealt with by circulation of the papers to all the members of the governing body at their usual addresses, and any resolution so circulated shall be as effectual and binding as if the resolution has been passed at a meeting of the governing body, provided at least five members of the governing body have accorded their approval to the resolution.

(2) If a resolution is circulated, the results of circulation shall be communicated to all the members of the governing body and shall also be placed before the governing body at its subsequent meeting for confirmation.

15. Voting.- All matters submitted to a meeting of the governing body shall be decided by a majority of the members of the governing body present and voting thereat, and in case of an equality of votes, the chairperson of the governing body or the person presiding shall have a casting vote, in addition to the vote to which he may be entitled to as a member of the governing body.

16. Recording of business.- (1) A record shall be maintained of all business transacted by the governing body.

(2) All decisions of the governing body shall, as far as possible, be recorded in the form of resolutions and an entry of such decisions in the book of proceedings of the governing body shall be conclusive evidence of the fact that such decisions were taken by the governing body.

(3) The proceedings of every meeting shall be circulated to the members of the governing body within twenty-one days of the meeting of the governing body.

17. Allowances to the members of the institute and the governing body - (1) The members of the institute and the governing body may be paid traveling allowances, daily allowances, conveyance allowances and room rent as admissible under the Supplementary Rules.

18. Powers and functions of Executive Director.- (1) The Executive Director shall be responsible for implementation of the decisions of the institute, its governing body and the broad policies and guidelines of the National Disaster Management Authority and perform such other functions as may be assigned by the Central Government.

- (2) The Executive Director shall be in charge of the administration of the institute and shall allocate duties to officers and employees provided to the institute and exercise such supervision and executive control as are necessary.
- (3) The Executive Director shall exercise the powers of the Head of the Department as specified in the Fundamental Rules, Supplementary Rules and the Delegation of Financial Power Rules.
- (4) The Executive Director shall -
- (a) discharge the functions of disciplinary authority in respect of the officers and employees of the institute below the rank of Associate Professor and equivalent posts.
 - (b) decide the venue of the trainings and workshops and invite resource persons for various programmes subject to such guidelines as may be laid down by the institute or its governing body;
 - (c) engage consultants for performance of specific jobs subject to such guidelines as may be laid down by the institute or its governing body;
 - (d) make such short term changes in the training programmes, workshops and other activities of the institute as may be necessary due to exigencies of situation;
 - (e) approve publication of documents, reports etc;
 - (f) permit air travel to non-entitled officers for reasons to be recorded in writing;
 - (g) correspond with the Central Government and State Governments on any matter pertaining to the institute;
 - (h) discharge such other functions as may be delegated to him by the institute or its governing body.

[F. No. 30/8/2006-NDM-III(A)]

PRABHANSHU KAMAL, Jt. Secy.

3466 GI/06-7

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 2006

सा.का.नि. 682(अ).—केन्द्रीय सरकार, आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 (2005 का 53) की धारा 75 की उपधारा (1) के साथ पठित उसकी उपधारा (2) के खंड (ज) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ - (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आपदा प्रबंधन (राष्ट्रीय प्राधिकरण की वार्षिक रिपोर्ट) नियम, 2006 है।

(2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं - (1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,-

(क) “अधिनियम” से आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 (2005 का 53) अभिप्रेत है ;

(ख) “वार्षिक रिपोर्ट” से धारा 70 की उपधारा (1) के अधीन राष्ट्रीय प्राधिकरण की वार्षिक रिपोर्ट अभिप्रेत है ;

(ग) “वित्तीय वर्ष” से प्रत्येक वर्ष की 1 अप्रैल से प्रारंभ होने वाला और अगले वर्ष की 31 मार्च को समाप्त होने वाला वित्तीय वर्ष अभिप्रेत है ;

(घ) “धारा” से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है ;

(2) उन शब्दों और पदों का, जो इनमें प्रयुक्त हैं और इन नियमों में परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो अधिनियम में क्रमशः उनका है।

3. वार्षिक रिपोर्ट— (1) राष्ट्रीय प्राधिकरण अपनी वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा और उसे केन्द्रीय सरकार को वित्तीय वर्ष के समाप्त होने से नौ मास के भीतर अग्रेषित करेगा जो संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखी जाएगी।

(2) वार्षिक रिपोर्ट में राष्ट्रीय प्राधिकरण के पूर्ववर्ष के दौरान के क्रियाकलापों का पूरा लेखा-जोखा होगा और राष्ट्रीय प्राधिकरण वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियां केन्द्रीय सरकार को अग्रेषित करेगा तथा वह सरकार उन प्रतियों को संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखवाएगी।

(3) वार्षिक रिपोर्ट में निम्नलिखित सम्मिलित होगा,-

(क) राष्ट्रीय प्राधिकरण के लक्ष्यों और उद्देश्यों तथा उसकी झांकी का ब्यौरा ;

(ख) राष्ट्रीय प्राधिकरण की भूमिका और उसके कृत्य ;

(ग) उस वर्ष के दौरान जिसके संबंध में वार्षिक रिपोर्ट तात्पर्यित है, भौतिक और वित्तीय रूप में वार्षिक लक्ष्य और उपलब्धियां ;

(घ) पूर्व वित्तीय वर्ष के दौरान राष्ट्रीय प्राधिकरण के क्रियाकलाप ; और

(ङ) ऐसी कोई अन्य सूचना जो राष्ट्रीय प्राधिकरण तीक समझे।

[फा. सं. 30/8/2006-एनडीएम-III (ए)]

प्रभांशु कमल, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th October, 2006

G.S.R. 682(E).—In exercise of the powers conferred by clause (h) of sub-section (2) read with sub-section (1) of section 75 of the Disaster Management Act, 2005 (53 of 2005), the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

1. **Short title and commencement.**- (1) These rules may be called the Disaster Management (Annual Report of National Authority) Rules, 2006.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Definitions.**- (1) In these rules, unless the context otherwise requires,-

- (a) “Act” means the Disaster Management Act, 2005 (53 of 2005);
- (b) “annual report” means the annual report of the National Authority under sub-section (1) of section 70;
- (c) “financial year” means the financial year commencing from 1st April each year and ending on 31st March of the following year;
- (d) “section” means a section of the Act.

3. **Annual report.**- (1) The National Authority shall prepare its annual report and forward it to the Central Government within nine months of the end of the financial year for being laid before each House of Parliament.

(2) The annual report shall contain a full account of the activities of the National Authority during the previous year and the National Authority shall forward copies of the annual report to the Central Government and that Government shall cause the same to be laid before each House of Parliament.

(3) The annual report shall include -

- (a) a statement of aims and objectives and vision of the National Authority;
- (b) the role and functions of the National Authority;

- (c) annual targets and achievements, in physical and financial terms, during the year to which the annual report pertains;
- (d) the activities of the National Authority during the previous financial year; and
- (e) any other information as the National Authority deems fit.

[F. No. 30/8/2006-NDM-III(A)]

PRABHANSHU KAMAL, Jt. Secy.